तथा उसे कितनी मात्रा में उर्वरक दिये गये; और

(ख) 1965-66 में पश्चिम बंगाल तथा मद्रास सरकार ने कितनी मात्रा में उर्वरक मांगे थे तथा उन्हें कितनी मात्रा में उर्वरक दिये गये ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे): (क) और (ख) उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मद्रास राज्यों द्वारा नाइट्रोजन-युक्त उर्वरकों की मांग 1965-66 के लिए सघन कृषि जिला कार्यक्रम सघन कृषि क्षेत्र तथा आपातकालीन खाद्य उत्पादन कार्यक्रम के लिए मांग, 1965-66 के दौरान इन राज्यों को उर्वरकों की निर्धारित मात्रा और 1965-66 के दौरान इन अलाटमेन्टों के मुकाबले की गई वास्तविक सप्लाई निम्नलिखित है :—

(आंकडे टन्ज में)

राज्य का नाम	मांगी गई मात्रा	अलाट की गई मात्रा	सप्लाई की गई मात्रा
उत्तर प्रदेश . . .	2,19,992	89,287	83,828
पश्चिम बंगाल . . .	72,495	34,293	31,222
मद्रास	1,40,170	67,176	67,139

नोट :—चूंकि 1965-66 के दौरान उर्वरकों की उपलब्धि सीमित थी अत केन्द्रीय सरकार के लिये राज्य सरकारों की समस्त आवश्यकता को पूरा करना सम्भव नही हुआ ।

शीतागार

6669. श्री भोलू प्रसाद :
श्री शिव चरण लाल :
श्री राम अवध :
श्री रामजी राम :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में सबसे अधिक आलू उत्तर प्रदेश राज्य में पैदा होता है;

(ख) यदि हा, तो क्या यह भी सच है कि सरकार ने शीतागारों की सहायता के लिए 2 लाख रुपये की राशि नियत की है जबकि इसके लिये एक करोड़ रुपये की मांग की गई थी; और

(ग) वर्ष 1967-68 में पश्चिमी बंगाल और मद्रास के शीतागारों के लिए कितनी राशि मंजूर की जायेगी ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) जी हा ।

(ख) जी नही । 1966-67 की अवधि में 100 लाख रुपये के कुल बजट प्रयोजन में से इस काम के लिए 36.00 लाख रुपये की रकम स्वीकार की गई थी । किसी भी राज्य को इससे अधिक रकम नही दी गई है ।

(ग) पश्चिम बंगाल के लिए 27.00 लाख रुपये की रकम स्वीकार करने का प्रस्ताव है । मद्रास के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है क्योंकि राज्य सरकार ने कोई मांग नहीं भेजी थी ।